

22/11/2010

प्रपत्र

मनीषा पवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
आई0सी0डी0एस0,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास अनुभाग, देहरादून: दिनांक 11 नवम्बर, 2010

विषय: राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण मिशन के अन्तर्गत राज्य मिशन प्राधिकरण (SMA) के गठन के सम्बन्ध में।

महोदय,

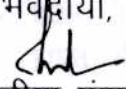
उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 360/राष्ट्रीय महिला स0 मिशन/2010-11 दिनांक 14-05-2010 एवं पत्र संख्या 1050/राष्ट्रीय महिला स0 मिशन/2010-11 दिनांक 29-07-2010 के संदर्भ में एवं सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या 4-2/2010-WW दिनांक 05-04-2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्तिकरण एवं महिलाओं से सम्बन्धित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का केन्द्र एवं राज्य सरकार के मध्य सुचारु रूप से अभिसरण किये जाने के दृष्टिगत गठित "राष्ट्रीय मिशन प्राधिकरण" की तर्ज पर एतद्वारा निम्नवत "राज्य मिशन प्राधिकरण" के गठन की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

क्र. स.	पदनाम	राज्य मिशन प्राधिकरण में पदनाम
1	मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड	अध्यक्ष
2	मा0 मंत्री बेसिक शिक्षा/विद्यालयी शिक्षा/उच्च/तकनीकी शिक्षा	सदस्य
3	मा0 मंत्री, राजस्व/वित्त	सदस्य
4	मा0 मंत्री, आवास एवं गरीबी उन्मूलन	सदस्य
5	मा0 मंत्री, ग्राम्य विकास	सदस्य
6	मा0 मंत्री, पंचायती राज	सदस्य
7	मा0 मंत्री, कृषि एवं सहकारिता	सदस्य
8	मा0 मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	सदस्य
9	मा0 मंत्री, लघु/मध्यम/कुटीर उद्योग धन्धे	सदस्य
10	मा0 मंत्री, कानून एवं न्याय	सदस्य
11	मा0 मंत्री, वन एवं पर्यावरण	सदस्य
12	मा0 मंत्री, श्रम एवं रोजगार	सदस्य
13	मा0 मंत्री, समाज कल्याण	सदस्य
14	मा0 मंत्री, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग	सदस्य-समन्वयक

15	मा0 अध्यक्ष, राज्य योजना आयोग	सदस्य
16	मा0 अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग	सदस्य
17	मा0 मंत्री महिला एवं बाल विकास के परामर्शानुसार मा0 मुख्यमंत्री द्वारा नामित प्रसिद्ध सिविल सोसाइटी मेम्बर्स	सदस्य

2. राज्य मिशन प्राधिकरण के मुख्य कार्य निम्नलिखित होंगे—

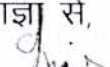
- (i) महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करना तथा महिलाओं के कौशल विकास सूक्ष्म वित्त, रोजगारोपाजर्नोमुख, प्रशिक्षण, महिलाओं एवं किशोरियों के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन दिया जाना।
- (ii) महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की उत्तरोत्तर समाप्ति सुनिश्चित करना।
- (iii) स्वास्थ्य तथा शिक्षा पर विशेष बल देते हुए महिला का सामाजिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करना।
- (iv) प्रतिभागी मंत्रालयों, संस्थाओं, संगठनों के कार्यक्रमों, नीतियों, सांगठनिक व्यवस्थाओं एवं प्रक्रियाओं में जैण्डर को मुख्यधारा में लाना।
- (v) प्रचार प्रसार तथा समर्थन की गतिविधियों का संचालन ताकि विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के लाभों को प्राप्त करने हेतु मांग में बढ़ोत्तरी हो।
- (vi) इसके अतिरिक्त महिलाओं के हितों को सुरक्षित रखने एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिये विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों को लागू करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करना।

भवदीया,

(मनीषा पंवार)
सचिव

संख्या: ८७१ / XVII(2)/2010/तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. सचिव, श्री राज्यपाल जी, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
3. राज्य मिशन प्राधिकरण के समस्त मा0 मंत्रिगण (सदस्यगण)।
4. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
6. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
7. मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूं मण्डल, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- ✓ 10. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव